

ॐ नमः

ॐ नमः

या लया गि नि सा आ ह नू व उ ह नू व ॥ ॥ ग न उ नू च न ह णि र्थ ग न ध नि या २ रु नः
 थि वा कू व उ ह नू व नू व ॥ ८ ॥ ॐ ॥ ग न ह नू वि नू न म हू नू क नू व नू प ध नू २ स व
 वि स त्व उ ग ध नू ॥ ॥ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ॥ ॥ द द आ लि ङ्ग ध आ ग ध नू २ व
 उ य थ मू ज ध नू ॥ ॥ ध व न हू हू नू न द ह ध नू २ स न द स च उ म नू ॥ ॥ माः
 आ द ह वि न उं गु २ सा हि थ क नू ध स त्व म हू ॥ २ ॥ ॐ ॥ ग न हू नू म ल वि णि च उ न
 वि स णि म धु ल मा आ थि नि आ न द मू नू ति ध ना २ व उ वा ना हि आ लि ङ्ग ध स म व नू ना

ना न स्मि म हा जाला ॥ ॥ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ॥ ॥ नी ल वर्ध
 व उ र्व कू पु ति मू त्व वि नू य न मा न द मू नू ति ध ना २ वि श्व व उ मू र्व च उ उ नाः
 म कू ट ध ना हा उ आ र न ध स सा रि ता ॥ ॥ व उ य थ ग उ च मू उ म नू प धां क
 वी न मा न द मू नू ति ध ना २ क न ठि क पा ल य ल स पा णि शि ल वु क्क क पा ल म्बि लः
 ध ना आ च म्म क र्ति य स्मि ता ॥ ॥ दि गं वि दि गं का का ध्वा दि उ म दा कि नि द वी स ह
 जा मा न द मू नू ति ध ना २ न मा मि २ न मा मि श्री च उ र्व च धा नू नू च न हू आ ना धि ता ॥

अनुरूपः॥

॥ १०॥ ॐ ॥ **नागलवि** ॥ अनुरूपवत्तु नाहं कानरावन्ननूपविक्रितविविक्त
लक्ष्म ॥ ॐ ॥ १॥ कानवडा मृतमूदकं सफसं ॥ धिगं हानमृतमयं ॥ ॐ ॥ च डामृ
तमयं वाधिरुलदायकं सर्वदिनयापि न सहज कलर्षी ॥ १॥ गतिमनराधनचयक
नूरा रुचं संसात्रनासनविनकुचयं ॥ ॥ वडयनमानूमयंगधाम्बुर्षीयूकं र्षीख
॥ धिगपंचपिययं ॥ १॥ कानमकुपयगधवडसंधापिगवियाककलर्षी ॥ ॥ घ
तमल्यं नूपरावैआकाशमया किनिजलनूप ॥ १॥ मतिटिसाधनधदवगाचकुहान

२॥ विनिवायन ॥

सत्त्वमानियं द्वदिडकिनर्षी ॥ ॥ याद्यादिआवमनदानपूयसर्पसमयसत्त्वय
वक्षितविमूदकलर्षी ॥ १॥ महानागडविरुयं वाधिरुचयं समयसत्त्वहानस
त्त्वप्रकीरुर्षी ॥ १॥ ॥ ॐ ॥ **यागहोववि** ॥ विहीनायधवडवकु विहाना ॥ १॥ वाहूय
तिष्ठा मशुल ॥ ॐ ॥ ॥ हामकनयीयाहं हं नहिचवमाना ॥ १॥ नागद्वयमाहवद्विः
प्रह्लादियायन ॥ ॥ प्रह्लादं हडयाययवजाशनविधधियायमिआचार्यनयः
तिष्ठा ॥ ॥ गगतदहिनकनसवाल्यया ॥ १॥ कलयिवजानलआहूतिदिना ॥ ॥

॥ जालि न जानल ॥

कर्तुं बालं न ल्यग्रं स्य कलहाम २ कलिक प्रतिसामं तुलहाम ॥ १२ ॥ ० ॥ **वागपं**
चम ॥ जालि न जानल न विहासि कं चित्तं दाव यि उं का न ल द नूपा २ क नूपा
ला वि नू व न ली स ॥ य यिस यि हा सि वि नू प य न मान न द म नू ति नू प धा वि का धा धि
पथी म रू व जा ॥ उं नू १ रू २ का धा धि पथी म रू व जा ॥ ॥ कलि क म ल स ज म स
ह जा म व न न न स वि हा ग ति २ य म ल व ट उ ज न ल म कू ट मी लि क क सि ना न न
द हि न वा म ॥ ॥ रू द म गु ला प नि व ज प र्थ क कू कू मी नू ल न नू प्र क लि ना २ व

॥ कोलायि ॥

जल प्रहाल द हि न वा म य धा ल वा य धा मि ॥ ॥ वि वि नू व लार व धा वि रु वि
नारु ल यि म न क म नू ति नू र्थ २ हा न गु नू च न ध क म ल पु सा दा न मा मि प न म नि ना
प दं ॥ १३ ॥ **वाग तादि** ॥ काला यि न थि या वा । ला मू मू नि ल क न काला २ य न क रू
यी ० हा व ज यि क नू ल धा कि या यि न लाला ॥ ५ ॥ म न य ज कू गु नू व रू यि रू रू
डि म मा ज हि न व रू यि ॥ ॥ क हि रू ल खार् ड न ग ध म य ना यि व रू यि या यि
२ हा य कालि ज ल प न या यि दू दू नू व ज न या यि ॥ ॥ च वू म क रु वी सि हा क रू रू

॥

सर्ववृद्धः॥

सुनावनयायि २ मलयज न च न सा लिं ग हिं र लू ख रू न या यि ॥ ॥ य ष ष ख ट कः
नं ग सु डा सु ड न म न यि २ निलं सु ह म रू च उ व यि ग हि र लूं ड स ना प न म ॥ १४ ॥
॥ ॐ ॥ **नाग त म न वि** ॥ सर्व वृद्ध विवृद्ध म छि ग वि श्व मा न कृ द नि २ व ड या गि नि व ड
म छि ग काल धा न सिद्धि ना च सि ॥ ५ ॥ न मा मि वा कृ लि सि द्धि या गि नि या गि नि ग
ध म छि ना ॥ ॥ आ दि त म छु ल ग ड स म ल स दी य माल स वि ल ला ॥ च कि कृ छु ल क छि
ना च क म ख ल वि रु पि ना ॥ ॥ क र्हि ष त्य न मा न कृ द नि म कू ट क णा दि गं व ना २ः

हृत्पुत्रः॥

मूडु मा ला ख द्वा न म छि ग ल स जि ह्व र यं क ना ॥ ॥ उ क्त द वी उ कृ क मू न का स य लः
वि श्व वि या पि ना २ उ रू उ स ल ध शि ल्यं ध नि या म व धू व क रू पा गा व यि या ॥ १५ ॥ ॐ
२ ना ग **रू न वि** ॥ ॥ ह ल सिल म कू ट कि न ति म ति रा ख न च न स य ग २ ॥ ५ ॥ सा हि य
व ड स ल य न म श्र न य न म य दं ॥ ॥ ग ण ट स नि र्व रू पी थि स क र थ क ट द ह ध नू २
॥ ॥ चालि उ रू ल न संचा नि उ गु या ल क ट च न स य ग २ ॥ १६ ॥ ॐ **नाग त म न वि**
रू न वी छि उ व न क लि न म नू गि नू ना य वी न य व ति २ ॥ ५ ॥ ना च यि व ड स ल य

२५५

यमश्चनलीनवक्ति॥ ॥यसीसहस्रकीचददशसूर्यसहस्रवक्ति॥ ॥वक्रविह
 दू॥विमहस्रननायनसत्त्ववक्ति॥२॥ ॥॥**नग॥प्रदुष्टी**॥साठाआरुनक्षत्रि
 यायिनसुचनलोंयोंधनयीकवालिलय॥**२**॥**कुक्षी**वानरुनसुधियामुधनमकु
 टकहाविगकना॥**२**॥**ननयमानुसैवलनामासमनसूदविमानुकाला**॥**२**॥**हम**
 विनाहिलिवडवावाहिरुदमहिमानुधाला॥ ॥**धालि**रायरावनंसूहमय
 नकरुनरुवयितवाला॥**२**॥**गगदानीलवर्ह**वंछिनकदाभनूमधुलरुवसिन॥

五

॥ जियं ध उ म ट हं कृदि र ग न स म न य यि स यि शू न्न रु गाना २ ह म वि ना हि
नी व रु वा ना हि तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना ॥ ॥ गा व क्लि लित्ता व रु क्लि लित्ता
उ न क्ष क रु नू च न क्ष म्ना ना ॥ २ स म या ज्ञान च क्लि लित्ता ल म धु ल स म ल व रु
वा ना हि ॥ १८ ॥ **गा व क्लि लित्ता** ॥ हि ह उ च्चा प यि या गि नि द ह क वा दि १ क म ल क्लि
लित्ता य शू क न हू न जी व यी ॥ ॥ या गि नी तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना २ ह म वि ना हि
मू ह चूं विया न क ल स यि व यि ॥ ॥ कृ य हू या गि नी तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना २ ह म वि ना हि

कूलवह्नियानडादियानसमान॥ ॥सासहचनधानकं वियतान१चउत्तर्यदः
 थियकनरवासा॥ ॥रुनयिचअनिहमकूँइनुविना१ननयनानिमापाडरुय
 नरुवीना॥ १२॥ नागगन्धर्व॥ विविहंविहन्मयमानविहाशिवदन१दवासून
 गधउवनहृकनू॥ ५॥ नाचनमासिथीसूचनवीना१वजयागिनिचक्रियः
 मानसहर्षगाव॥ ॥वजवानाहिगर्लिंगक॥ ४१॥ कृत्तिसंवीनवीनथनसमन
 सविना॥ ॥रगाकूदहनविबूमनसरुक्रक१कनूधनूधनाथललायविषक

तिष्ठ

॥ ॥हादहाउडाधविवाविचउवदन१विलंसंरावगगधउरुलिना॥ १०॥
 ॥नागपञ्चम॥ जयवाकूलिहृन्वघनयि१सयनसूनासूनडगकडधवि॥ ३॥
 गरुगवक्रियाइकमलमहिमधुलनोपूननूधसुनंकावा१हाउमसागरनधवि
 उमिरुममलधधुडलालाडिनितिनिनयनीतीनयना॥ ॥कनतिषमनशीव
 नललिलमाला१कश्चिखद्योगमकूटकडा॥ ॥नीलससिंधूनकऊलरूलाः
 १कमुनिकपूनगांवांनसूखसानि॥ ॥रुनयिगां॥ सुनिकवजवाकूविदासा१शी

2834

卷之四

वृद्धयविप्रसादहनुपायाध्यापनम् । इत्युक्तं तस्मै ॥ अथ च निदिशिष्यवाक्येन च
ज्जातिवत्तमात्रं प्रस्ताव्यते ॥ अथ द्वितीयः प्रश्नः ॥ किमुचननाभास्तवनवीना
नमाभिः ॥ अथ त्रयोदशोऽध्यायः ॥ अथ पञ्चमः अध्यायः ॥ अथ षष्ठः अध्यायः ॥ अथ सप्तः अध्यायः ॥
अथ अष्टमः अध्यायः ॥ अथ नवमः अध्यायः ॥ अथ दशमः अध्यायः ॥ अथ एकादशः अध्यायः ॥
अथ द्वादशः अध्यायः ॥ अथ त्रयोविंशः अध्यायः ॥ अथ चत्वारिंशः अध्यायः ॥ अथ पञ्चाशदधिकः अध्यायः ॥

३ दिना ॥

२ प्रश्न विना

धालदगालरुवनि संकललिह शम्भय निवडनमाक कृता ॥ ॥ दिनक नमः ॥
लमध्वगता शक नृत्तमृगनसस्य प्रिवयि ॥ ॥ दग्धालिरुयप्रतिनिद्रु
शदवास्तननननिग्रंनमिता ॥ ॥ गवक्तिपवनपनिशुनृगता श्वजवावा
हीकुशनिग्रंधनिया ॥ ॥ २ ॥ नागकामाउ ॥ प्रहलिगहंका नाक वमनूक्ति
उनीलसमदहा शविश्रुता स्तिगृष्टिकनर्ष नत्वमकूटकाधधिय ॥ ॥
नमामिगीचउवीनं रुवसिधूतनर्ष विधनाथविधयापिग विद्या निविध्वंस

२ प्रश्न विना

नक नर्ष ॥ ॥ अनकजानूस्तिगृष्टिकुवनवीनं सव्यतिरूप प्रदधनं श्वा
मरुर्ननिहिदिद्यासधनं रुवापिगसनवधनकनर्ष ॥ ॥ नानावलाहानना
पूजंकलिमखलरूपी गदहा श्दु कलाल विद्युति किनर्ष गिउवननायप
वधु विनं ॥ ॥ वीनाधिव सर्वलयद नर्ष प्रतपी गावादिभक्तमान संश्रुः
वननयकादिवदिगयादं सर्वसिद्धिमाकरुलदं ॥ ॥ ३ ॥ ॥ श्वगुरुनवि ॥ ॥ य
विस्तुगुरुगवनमहामाक पूजन दहायि अनूरु नवाधियदं श्ज नामनधर

यवध्वनमाचय्ययनमामरुमययनमगुनूं॥ ॥॥
मदहिविनामगयाननंगं२दभयिकरुमगाचलउच्चकथनानूरुनवाधियदं
॥ ॥सर्वगतगगनयूजनयायद्याठयामिमयापननू२ययूयाभदिक्रीकयनि
वलिङ्गकमलकुलिसयविशामनं॥ ॥कूष्मण्डकमकूटासनिकमलाडि
नकुलसमयाआचार्ययदं२मलाजनदय्यलमलकयदहावनमनिपदशास्त्र
नं॥ ॥नमामिश्रीचक्रसंवन्धुनूवाक्कदृढधनिया२सगुनूचनलकम

गजदिवक्त्रमहायाननयारुः

मद्विचितामनयाननं २८ नयिकहमणाचलउच्चकथनानूकनवाधियदं

॥ सर्वगथागतपूजनयायद्याठयामिभयापेकनृश्ययूपाभदिक्रीकयमि

वलिङ्कमलकूलिस्यविशामयः ॥ कूष्मण्डकमकूटासनकमलाङ्ग

नकुलसमयाञ्जायायदशमकुलनदय्यलमलक्यदहीवनमाकमदशाह

न॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१०८८॥ १०८९॥

१४७२

लपसाय अनुरुचि सिद्धिदमाक्रूरुलदी ॥ १४ ॥ रागमालसि ॥ वामदहि
 नी नदयी बलनी ॥ मा अ विलासयि महासुखनयिया ॥ ॥ अरु अरु यिया न
 जायिया सहज अमिया ॥ सयल विसयला नय निरावा ॥ ॥ गयन मयन
 विल विलासा ॥ कायका विल न क क निया ॥ ॥ न क धाव यि आरुल यि
 या ॥ आव यिय पा विगा र्धा धा वि ॥ ॥ पाव यिन गुनू पाय पुसाद ॥ न यि
 वा कू व ज गून्य समा धि ॥ १५ ॥ राग विलास ॥ धन ॥ दधन धाव धन धन धन धन

४॥१॥ गमाहसि॥ वामदहि

नीजदयी बलनी १ मा अथ विलासयि मंदासूखनयियाग

गोउऊरिय्याने

आशिया सहज आमेया २ सयल विमयला ५ य निराव ॥

॥ गथन मथन

चिह्नवलासाश्कायवाक्चिह्नककान्या॥

॥ न क धा वा य आ रु ला य

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ पावाय ननु पाययसादशरुनाय

वाङ्मयः पून्यहमाविना गज

॥ ह्योगविहासगघनशूद्रवनधानधनपुष्कानय

चक्रिसिन्धु ॥ मद्रवजधकसमयश्चक्रवृत्तागसुविनवन ॥ ॥ कुचू
 वजधर्मसमयश्चक्रालालिककर्तव्य ॥ कुलुलिशुद्धधनसमय
 कलभिककमलधन ॥ वजसूर्यआह्वानतमाश्विधर्मयसदात्ममही ॥
 ॥ ॥ नलधकवचवजगिलकृष्णकृष्णिकाकमधन ॥ ॥ गभश्चरनिश्चर
 वधर्मश्चाश्चरसहजस्वरवधन ॥ ॥ अहहिजिनजिकुसुगतकायनि
 वधनवाचकवच ॥ ॥ जीपल्लाधकसुगताश्मखलमचिगपुष्पमख ॥ ॥
 ॥ ॥

२ सोदसहाय ॥

हूं रुद्रादिनचनवचयपलमामिसुनवजगिन ॥ १५ ॥ ॥ ॥
 रागललिता ॥ सादसहायधनचरिनकियसिन्धुवासानाथिगावराजचंद्र
 वरहाजगवधकिमिद्रुसयनानयावसितनमृतिदाया ॥ ॥ दवीकर
 श्रीगुत्रियकिमिद्रुसयनानयावसितनमृतिदाया ॥ ॥ रागसनीनाश्चहि
 निआलिहसहवनसिविकायालालातिनिनयनअतिनयनअतिगतिन
 वा ॥ ॥ मिहसहमभुलमाधवसिनवनायाअंशुधनतिनयावक

२७ महिम सुते ॥

पाश्चत्य ठिषय न स्वदा ज नृक हा लयं च मिलन शत म कूट क षा कया लं ॥ ॥
पंथ रथा गत द हसि व द वी जया व नी जयं २ ज ग न मा नृ सि या नि स व ल ज गु
मा ता नृ हि स्यं मा यि जू नि का रु यं ॥ ॥ रु व दा ष री त म ति वि न य सून न व
ज क यि स्यं ज्ञान द वी य गु नृ सु सा द यं ॥ ॥ अ वि यं वि य क वि यं पी न दी स ज ह
ना थ रा व हि यी ॥ ११ ॥ ना ग र न वि ॥ ॥ उ म हि म गु ल म नृ स मू डा २ ज न ध न ज
र न उ द क वि च्च व डा ॥ ॥ प ष न नृ नृ मि य ला ये न ग य न २ रु स म निः

२८ पति म उता ॥

हा स यि जि न गु न व य न ॥ ॥ क ल धा नि ॥ ॥ द्रि या वि ष य स र्व ज का २ स म
डि न न ज जि न उ के अ न का ॥ ॥ य व न द्रि र दि या द्रि य वि न वि मा २ क लः
यि व ज्ञान व द ह दि ह दा हा ॥ ॥ स ग र रु नि रा व यि या न हा यि न र मा धा २ सून न
व ज र न यि अ चि त्त य वा धा ॥ १२ ॥ ना ग टा ठि ॥ ॥ स य नि म ति न म गु ल च क न २ उः
कि न क रु य ता क वि ता नं २ ॥ ॥ स य नि ना दि त्त गु न य म न कं न द न गी त व न न
म ना रु ॥ ॥ प ष वृ ज्ञा स क स र्व य हा यं २ प ष कू ना न क वि त्त क दि व ॥ ॥

ज
 याहियकुमहासखनायाशनित्यरुगीतवनलमनारुलप्यनं॥ ॥अवकथान
 मस्यरुगहिक्रायंरमाथचविचनअथरुत्तचनिय॥ ॥वृद्धचविचनवृद्धन
 सनुषनिशनादरुविनयस्ययंरु॥ ॥वृद्धतिथनयदापनिमाक्षिगतनवृद्ध
 श्वृद्धारिहावनयाविघविनमिदंसकला॥ ॥गनाहूंहूंगनाहूंहूंगनागंहूं
 हूंहूं॥१२॥**नागवनादि॥**कायिनवंसावाजिनवीक्ष॥अनूहनसर्वदवति
 रुवनलीन॥ ॥अनूहमवजिनदानकलेयाशरुविनअक्षिसिद्धिनाहिपु

तादा॥ ॥गंगयमनाउदयितकिशराखिननविगमिगगतदवाय॥ ॥
 उदितगवचदानविजृक्षरगशगगतमिषनमाअपवनहिदाय॥ ॥यवनय
 अयिनउकुर्ववक्ष॥विघविनकनखदानकसिद्धा॥६०॥**नागकामाउ**
रुनव॥तियतिक्षनाथकिआयिनमविघतिशगहूंवनरुहानहिनिष्ठ॥
 ॥ ॥सचिक्मनाजालंघनअधनाशरुमनहिवांनयांगुमिवकनयं॥
 ॥ ॥जम्बुवननधननतिष्ठुक्तकिंश्रुहूजाधजायउद्धदनकनामि

२तिशतिसेनाथ॥

॥ ॥ पृथ्वीजननाजा अरूकनूधमय २ ह म उ ज दी क रु अ सि च उ हा सं ॥ ॥
 उ न ग म धि प ति य न म य उ स य २ व ड्ड पा भ व ज घा न न क न धं ॥ ॥ स मि न म ना थ
 ल ज ग च्छ न ल्हा नं २ ह ग न य नि षु नु अ रू न हि दा खं ॥ ॥ य क ग वा रा जा ग
 च्छ नं का य वि २ ना थ ह नू व आ रू व ड्ड ह ग क न धं ॥ ॥ नो ड ग ल व न न च
 वि षु क ग ष कि २ ना थ म्मा रू आ य उ न जी व नि य यं ॥ ॥ अ धा र्छ उ व न ना
 थ उ न्ना व म वि षा २ ख म्मा रू वि षु नि रू स मि व क न धं ॥ ॥ वू ड्ड व ल ना

२३ व न उ धे ग ॥

म अ रू का र ना जा द म दि ग स्ति न मा न ना स न क ना मि २ वा रू लि च न धं वू ज
 ग न ध वि या गा व नि कू लि म श्री गी त्व वि ना ॥ ८१ ॥ ए वा ग रू व वि ॥ उं खे व
 ज ध क व ज हं का ला ल का वि ना रि नि यू वा य यि या न २ रू ल यि अ क न म हा
 का रा न अ ल्पि य वि षु स म ह न ॥ ॥ घ घ घा न य २ स र्व ड्ड न की ल य ड्ड
 रू रू या प ह नं २ उं व ज की ल य व ज ध न आ रू का य वा क वि रु क ल य नि
 श्री व ज स ल आ ना धि या न ज नू रू न सि धि पु द मा क रू ल दं ॥ ॥ पृ व दि

दानकाकननवरिन्नाजनमिद्यानव्याश्चक्षुप्रलीषधम्भानानन्दवाधियतिगधः
 कीलयकि॥ ॥ धीवजसत्त्व॥ ॥ उरुनदिगदानुवृकानननममवर्त्तन
 रीमनयनीश्चोदगहनमहाम्भानानयक्राधियतिगकीलयकि॥ ॥ पाथिमः
 दिगदानमनानननसिन्दनानुधननविकटन्याश्चालांकलमहाम्भाननउङ्गा
 धियतिगधकीलयकि॥ ॥ दक्रिधदिगदानसूकनानननकनकनिरुददहाय
 यननादिश्कनकरेनवमहाम्भानानयुगाधियतिगधकीलयकि॥ ॥ दहन

वनकाखदवीयमदाटिकरूपीताराप्रचक्षुः नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां न
 जाधियतिहोगे किलयति ॥ ५ ॥ दितिहवनलेकोडमदतिनयीतानृक्षतनूका
 धनृपाश्चलकमिवनदूतानेसे महाभग्नानां नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां न
 ५ ॥ वायूववलकाखदवीयमदद्वियनृक्षममनूकलालवदनीश्चालांधका
 वरीयमभग्नानां नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां न
 ममथनीयभग्नानां नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां नृपाश्चन्द्रदृष्टाक्षमहाभग्नानां न